256

[Shrimati Bijoya Chakravarfy]

urgent steps so that they are punished.

## Need to reopen Closed Units of Metal Box (India) Ltd.

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): Mr. Vice-Chairman, Sir, I want to raise a very important issue.... *[Interruptions]*...

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : मैंने एसोशिएट करने की ग्रन्मति मांगी थी

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): No, we have many names here. If everybody tries to associate himself with every Special Mention, it becomes very difficult. Anyhow, your name is there... (*Interruptions*)...

श्री राम नरेश यादव ः मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि जिस तरह से मामला घटा है, बहुत गम्भीर है । इस पर पूरे सदन को चिंता होनी चाहिए । मैं यह चाहता हूं कि जल्दी से जल्दी इस पर कार्रवाई हो श्रीर कार्रवाई होने के पश्चात् सरकार सदन को भी बताये कि इस सम्बन्ध में क्या कार्रवाई हुई । जब तक यह नहीं होगा तब तक महिलाओं पर ग्रत्याचार बढ़ता जायेगा । सरकार ग्रपनी जिम्मेदारी निभाये ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): In this House, we already had a discussion on atrocities *on* women and all that; and if necessary, and if the Chair permit, we may have another discussion.

SHRI JAGESH DESAI: Sir, 16 units of M/s. Metal Box India Ltd. are closed and about 6, 500 employees are jobless. They took up the matter with the then Minister of Petroleum, Shri Brahm Dutt, the then Industry Minister, Shri Vengal Rao and the then Finance Minister, Shri Shankerrao Ghavan. I As far as 1 understand, all of them '

were very sympathetic and wanted to do something so that all the units of M/s. Metal Box India Ltd. could again function and those employees could get back thier jobs. As I understand, Sir, Mr. Montek Ahluwalia knew this matter very well and it was more or less thought that these jobless persons should be given jobs and these units should be revived.

So, in April 1989, Balmer-Lawrie, which is under the control of the Petroleum Ministry, wanted to have metal packaging to pack their products and they wantei to establish some such industry and this was taken up with them. They decided that new companies should not be formed, but they should take over this unit so that the infrastructural facilities which are already there can be made use of and these jobless do not know what happened in betweenthis Company is saying that it is not interested in this. I fail to understand as to how at one stage they wanted to take it over and how they say now that they are not interested. I want to know this from the honourable Minister. The previous Government was keen to give jobs and the new Government wants to make the right to work as a Fundamental Right. But I do not know what has happened and why they are not doing anything in this direction.

The All-India Metal Box Employees' Federation has given a memorandum to our Prime Minister, Shri V. P. Singh and I am now given to understand that the Reliance Industries want to have the kind of an industry for their products and for this purpose they want to have one such industry. Now, I am not against the Reliance Industries or Mr. Nuzli Wadia and I am not against any industrial house, but I do want—and I am firm in my opinion—that th e should not be so powerful as to 257

its power for the purpose of dictating the policies of the Government. I am told that the Reliance Industries have come forward and they have applied already under the MRTP Act. I want that this Company must take it over. If the public sector undertaking, Balmer-Lawrie, which needs this kind of packaging, had taken over this, the whole problem would have been solved and then the intention of this Government that they want to give work to the poor would have been vindicated. I have talked to the Minister today morning and I have shown him the papers. I know that the Minister, Mr. Gurupada-swamy, is a dedicated socialist and that he is very sincere. When Mr. V. P. Singh was the Finance Minister, he had given so many concessions to employees by amending the tax laws. Therefore, I am sure that if he takes it up with Mr. Ahluwalia, who knows about this, I think this problem can be solved and these six thousand five hundred employees will get their roti.

Special

I hope that the Government will look into this so that these six units can be revived and jobs can be provided to those who have been rendered jobless. Thank you, Sir.

## Demand for Reopening A Closed Textile Mill in Indore

श्रीग्रजीत जोगी (मध्य प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश का सबसे वडा नगर इंदौर ग्रपनी कपडा मिलों के लिये तथा कपडा उद्योग के लिये विख्यात एहा है। पिछले दिनों जब पुरे राष्ट में कपडा उद्योग पर संकट ग्राया की कपड़ा मिलों पर भी तो इंदोर संकट ग्राया । उनमें से बहत सी मिलें हो गई । मैं इस विशेष उल्लेख बन्द ग्रापके माध्यम से शासन का ध्यान में उनमें एक होप टेक्सटाइल मिल की ग्रोर से जाना चाहंगा। यह मिल पिछले 6-7 वर्षा से बन्द पडी है। इसमें तीन हजार से अधिक मजदूर काम कर रहे थे । वे बेकार हो गये ग्रीर 6–7 वर्षों से बिना काम के रहने के कारण उनमें 233 R.S. -9

से की मृत्यु हो गई ग्रौर कुछ কৃত विक्षिप्त हो गये हैं। मानसिक से रूप ग्रधिकांश बच्चों की शिक्षा-दीक्षा समाप्त है। वे गरीबी की पराकाण्टा गई हो थ्राकर खहे हो गये हैं। मैं यह पर इसलिये বিয়াম उल्लेख कर रहा ह पिछले 6-7 वर्षों में सब क्योंकि इन दलीय हितों से उठकर इस ने मिलकर, चाल कराने की कोशिश की। मिल को बार कुछ कारण आते गये जिसके वार कारण हम उसको चाल नहीं करा पाये। चनाव के बाद ग्रौर लोकसभा कन्त विधान सभा के चुनाव से पहले तत्कालीन सरकार ने फैसला किया कि चाहे जो कुछ भी हो इस मिल को चालू किया करोड़ रुपये की ग्रंतरिम जायेगा । एक सहायता राज्य शासन की ग्रोर से इस मिल को दी गई ग्रोर मिल को चाल करने का कार्य भी प्रारंभ हम्रा। मशीनें में पुरानी पड़ गई थी। सालों 6-7 इसलिये साफ सफाई कर उनको उनकी चलाने लायक बनाया गया। किन्त दर्भाग्य से विधान सभाचनावों के बाद ग्राये उससे शासन बदल जो परिणाम गई। मैं बड़े दुख गया, सरकार बदल साथ. खेद के साथ यह कहना के बडे कि जब से नई सरकार मध्य चाहगा प्रदेश में आई है तब से वहां के मजदूर "इंटक" के माध्यम से धरने पर बैठे अरीर आन्दोलन कर रहे हैं। हर्य है और एक करोड गया पैसा मिल रुपये में से केवल 15 लाख रुपया में व्यय हुआ है और बाकी साफ सफाई रुपया उनके पास पड़ा हुआ लाख 85 खरीदकर, रूई खरीद । केवल कपास ह को देना है और मिल को मिल कर किया जा सकता है। चाल तत्काल है कि नया शासन ऐसा किन्त लगता रहा है कि यदि यह मिल सोच यह चालु हो जायेगी तो इसका श्रेय कांग्रेस सरकार को मिलेगा जिसने मिल को चाल कराने का आदेश दिया था। मैं आपके सरकार से निवेदन माध्यम से केन्द्रीय यह तीन हजार चाहंगा কি करना मेहनतकश मजदूरों मजदूरों, से ग्रधिक भविष्य का प्रश्न है। दलों से ऊपर के दिलों की बात है। दलगत उठकर हितों को ध्यान में न रखकर यह सोचना